राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
Ministry of Education, Government of India

24 अगस्त, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

नौ दिवसीय चिनार पुस्तक महोत्सव का आज (25 अगस्त) आखिरी दिन

डल झील के किनारे एसकेआईसीसी में चल रहा चिनार पुस्तक महोत्सव आज 25 अगस्त को बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न होगा। आखिरी दिन यहाँ दोपहर 3 बजे से साढ़े छह बजे तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पहले मुशायरा, फिर लोकनृत्य और आखिर में मशहूर म्यूजिकल बैंड कबीर कैफे की धुन के संग श्रीनगर के पहले नौ दिवसीय चिनार पुस्तक महोत्सव का समापन होगा।

शनिवार को नौ दिवसीय पुस्तक महोत्सव के आठवें दिन पाठकों की भीड़ ने सुबह से ही यहाँ समा बाँधे रखा। हर बुक स्टॉल पर पाठक अपनी पसंद की किताबें खरीदते दिखे। बच्चे और युवा सेल्फी प्वाइंट्स पर फोटो लेते, लेखकों से किताबों पर उनके आॅटोग्राफ लेते, उनके साथ सेल्फी खिंचवाते और उनसे अपने मन की बात करते दिखे। 11 से साढ़े बारह बजे तक स्कूली बच्चों ने स्टोरी टेलर शिवानी कनोडिया से अंग्रेजी की मजेदार कहानियाँ सुनीं, गणितज्ञ विवेक कुमार से वैदिक गणित की ट्रिक्स सीखे और उसके बाद मंडला आर्ट पर हुई वर्कशॉप में शामिल हुए।

किताबों की दुनिया के बीच पाठक दोपहर बाद होने वाले म्यूजिकल कॉन्सर्ट में भी देर शाम तक जमे रहे। शाम 4 बजे देशभर के युवाओं के दिलों में राज करने वाले मशहूर युवा गायक सुनील कुमार गुर्जर उर्फ राहगीर कश्मीर की वादियों में अपने संगीत का रंग बिखरने आए। चिनार पुस्तक महोत्सव में राहगीर की मौजूदगी ने युवा पाठकों में एक नया जोश पैदा किया। राहगीर ने जिंदगी के फलसफे को गीतों के जरिये युवाओं के सामने रखा। शनिवार की शाम युवाओं के बहुत खास रही। मशहूर फिल्मकार, निदेशक और गायक विशाल भारद्वाज और रेखा भारद्वाज की आवाज ने कश्मीर की शाम को यादगार बनाया।

हर लैंस के नजरिये से कश्मीर

शनिवार को चिनार टॉक्स में युवाओं ने कश्मीर के जाने–माने रेडियो जॉकी नासिर, फोटोग्राफर रूपाली तलान और पोडकास्टर अंजुम शर्मा से बात की। इस चर्चा का संचालन आरजे रफीक ने किया। रूपाली ने बात की शुरुआत करते हुए कहा, "चिनार बुक फेयर में होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।" उन्होंने कश्मीर की खूबसूरती पर बात करते हुए कहा, "मैंने अपने कैमरे से कश्मीर को हर बार अलग–अलग तरह से देखा है। मैंने यहाँ की कहानी को अपनी फोटोग्राफी के जरिये दिखाने की कोशिश है। कश्मीर सुंदर है, क्योंकि यहाँ के लोगों

का दिल बहुत सुंदर है।" कश्मीर के युवाओं को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ने पर बात करते हुए अंजुम शर्मा ने कहा, "जब तक हम ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक दृष्टि से कश्मीर को नहीं पढ़ते हैं तब तक यहाँ के महत्व को अच्छे से नहीं समझा जा सकता। सोशल मीडिया की अपनी अलग पहचान है, लेकिन किताबों की अपनी अहमियत होती है। कश्मीर को जानने के लिए किताबों को पढ़ना बहुत जरूरी है।"

कश्मीरी साहित्य के लौह पुरुष प्रोफेसर शाद रमजान ने शनिवार को चिनार पुस्तक महोत्सव में शिरकत की। उन्होंने कश्मीरी शायरी के इतिहास और समय–समय पर उसमें होने वाले बदलावों पर बात की। युवा कश्मीर के सतही स्तर इतिहास को कैसे जान सकते हैं उस पर बात करते हुए चर्चा में शामिल डॉ. एस.एन. पंडिता ने कहा, "जो भी कुछ हम पढ़ें, उस दौरान हममें यह काबिलियत हो, कि सच क्या है और झूठ क्या है। सौ में से एक सच की पहचान हो जाने पर 99 सच उस चुंबक से चिपकते चले आएँगे।"

चिनार पुस्तक महोत्सव जैसी कोशिशों की सराहना करते हुए पेशे से चिकित्सक, उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता और इस पुस्तक महोत्सव की आयोजन समिति के प्रमुख सदस्य डॉ. अमित वांचु ने कहा, "यह महोत्सव साहित्यिक उत्सव से कहीं अधिक है। यह कश्मीर में सीखने की भावना और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाता है। एक ऐसी दुनिया में जो अक्सर अपने आपको अकेला महसूस करती है, ऐसे समय में यह पुस्तक महोत्सव हम सबको एकता के सूत्र में बाँधने का काम करता है, देशभर से आए लेखकों, पाठकों और विचारकों को एक सार्थक संवाद में संलग्न होने के लिए प्रेरित करता है। किताबों और विचारों के प्रति प्रेम को बढ़ावा देकर, हम न केवल अपनी समृद्ध साहित्यिक विरासत को संरक्षित कर रहे हैं बल्कि भावी पीढ़ी के लिए भी आशा और समझ के बीज भी बो रहे हैं। यह पुस्तक महोत्सव इस विश्वास का एक प्रमाण है कि ज्ञान के माध्यम से और बातचीत से हम कश्मीर में एक मजबूत और एकीकृत समुदाय का निर्माण कर सकते हैं।"

पुस्तक महोत्सव का आखिरी दिन युवाओं के लिए खास

चिनार पुस्तक महोत्सव के आखिरी दिन बच्चे और युवा चिनार टॉक्स में सिविल सर्विसेज और सरकारी सेवाओं में करियर कैसे बनाया जाए, इसके बारे में सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर एल.सी. पटनायक से बात करेंगे। उसके बाद लेखक सूरत सिंह की कविताओं के संकलन 'माउंटेन म्यूजिंग्स' पर बात होगी। युवाओं को साइबर सुरक्षा और एआई पर विशेषज्ञ अमित दूबे से बात करने का मौका मिलेगा। एक अन्य सत्र में सुनंदा शर्मा, कृष्ण लंगू और पंडित अभय रूस्तम सोपोरी प्रदर्शन कलाओं में जम्मू–कश्मीर की समृद्ध विरासत पर बात करेंगे। बच्चों

को आज ओपन माइक के जरिये अपनी प्रतिभा को मंच पर प्रस्तुत करने का मौका भी मिलेगा।

जनसंपर्क अनुभाग
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
prnbtindia@gmail.com